



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 603]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 20, 2009/आश्विन 28, 1931

No. 603]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 20, 2009/ASVINA 28, 1931

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2009

सा.का.नि. 761(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए जिसे केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रस्ताव करती है, जैसा उक्त उपधारा द्वारा अपेक्षित है उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है प्रकाशित किया जाता है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियम पर उस तारीख से जिसको इस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह सूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, साठ दिनों की अवधि के अवसान के पश्चात् विचार किया जाएगा ;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011 को भेजे जा सकेंगे ;

आक्षेप और सुझाव, जो यथाविनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (सातवां संशोधन) नियम, 2009 है ।

(2) ये राजपत्र में अपने अंतिम प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे ।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 42 में, -

(क) उपनियम (ययय) (12) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ (ययय)(12क) - प्रत्येक खाद्य पैकेज पर, जिसमें जो नियम 47 में दी गई सारणी में उल्लिखित ऐसेसल्फेम पोटेशियम और सुक्रालोस मधुकारकों का मिश्रण अनुज्ञात है, निम्नलिखित लेबल लगाया जाएगा, अर्थात् :-

(i) यह (खाद्य का नाम) सुक्रालोस और एसेसल्फेम पोटेशियम के मिश्रण से युक्त है ;

(ii) बच्चों के लिए सिफारिश नहीं की जाती है ;

(iii) * (क) बढ़ाई गई चीनी की मात्रा.....ग्र./100 ग्र. ;

* (ख) उत्पाद में कोई चीनी नहीं बढ़ाई गई ;

(* जो लागू न हों उसे काट दें)।”;

(ख) उपनियम (ययय) (25) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :--

“(ययय)(26) पालीओलस वाले प्रत्येक खाद्य पैकेज पर निम्नलिखित लेबल लगा होगा

पालीओलस का मृदुविरचक प्रभाव हो सकता है।”;

3. उक्त नियमों के, —

(क)नियम, 47 में, —

(i) उपनियम (i) के तीसरे परंतुक में, “छह मि.ग्रा प्रति सौ मि.ग्रा. टेबलेट या कणिका” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“छह मि.ग्रा प्रति टेबलेट या कणिका का सौ मि.ग्रा.”;

(ii) उपनियम (2) में परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह और कि कार्बोनेटीकृत जल, सुक्रालोस और एसेसल्फेम पोटेशियम के संयोजन का उपयोग ऐसे अनुपात में किया जा सकेगा जो नियम 42 के उप नियम (ययय) (12क) में यथाउपबंधित लेबल घोषणा के अधीन कार्बोनेटीकृत जल में इन व्यक्तिगत कृत्रिम मीठा कारकों के लिए अनुज्ञात स्तर के आनुपातिक स्तर से अधिक न हो।”

(ख) नियम 47 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“47- क . खाद्य पदार्थों में पालीओलस के उपयोग पर निर्बंधन — कोई पालीओलस इन नियमों और परिशिष्ट (ग) में विनिर्दिष्ट के सिवाय किसी खाद्य पदार्थ में नहीं मिलाया जाएगा पालीओलस (मल्टीटोल/मल्टीटोल शर्बत) का उपयोग नीचे दी गई सारणी में वर्णित खाद्य पदार्थों में किया जा सकेगा और नियम 42 के उपनियम (ययय) (26) में यथाउपबंधित घोषणा का लेबल लगाया जाएगा।

सारणी

पालियोल का नाम	खाद्य पदार्थ	अधिकतम सीमा
(1)	(2)	(3)
मल्टीटोल/मल्टीटोल शर्बत	बेकरी उत्पाद, आइसक्रीम, प्रशीतित डिजर्ट, जैम, जेली और मुरब्बा	जीएमपी "

(4) उक्त नियमों के नियम 61-कक में, —

- (i) “बैकड खाद्यो” और “स्नैक्स” शब्दों का लोप किया जाएगा ;
- (ii) निम्नलिखित परंतुक अंत में स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु माडीफाईड स्टार्च (व्युत्पन्न स्टार्च) (कृत्रिम स्टार्च) का उपयोग स्नैक्स, जमे हुए आलू उत्पाद, बैकड खाद्य पदार्थ और सलाद सजावट/सलाद के मसाले में वजन द्वारा पांच प्रतिशत के अधिकतम सार्द्रण तक उपयोग किया जा सकेगा।”

(5) उक्त नियमों में नियम 61च के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ 61. च विभिन्न खाद्य पदार्थों में हाइड्रोक्सिल प्रोपिल मेथिल सेल्यूलोज का उपयोग — हाइड्रोक्सिल प्रोपिल मेथिल सेल्यूलोज का उपयोग निम्नलिखित खाद्य उत्पादों में नीचे दी सारणी के स्तंभ (3) में वर्णित अधिकतम स्तर से अधिक नहीं किया जा सकेगा :-

क्रम संख्या	खाद्य पदार्थ	अधिकतम स्तर
(1)	(2)	(3)
(i)	गैर-डेयरी व्हिप टोपिंग	2.0 प्रतिशत
(ii)	हल्का नाश्ता, स्वादिष्ट भोजन, मध्याह्न भोज्य मीट और कुक्कुट उत्पाद, तत्काल मिश्रण (इडली मिश्रण, डोसा मिश्रण, पुलीयोगेयर मिश्रण, पोंगल मिश्रण, गुलाब जामुन मिश्रण, जलेबी मिश्रण, वड़ा मिश्रण), सलाद सजावट/ सलाद मसाला, ग्रेवीस, आइसक्रीम, प्रशीतित डिजर्ट, पुडिंग और दही के लिए मिश्रण	1.0 प्रतिशत
(iii)	डेयरी आधारित पेय पदार्थों के लिए मिश्रण	0.5 प्रतिशत

(6) उक्त नियमों में नियम, 64क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ 64.कक वासकों में एंटीकैकिंग कारक का उपयोग — सिंथेटिक एमारफोस सिलिकोन डायोक्साइड का उपयोग पाउडर सुवासक पदार्थों में अधिकतम दो प्रतिशत तक किया जा सकेगा।”

(7) उक्त नियमों में नियम, 72घ के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ 72.ड डाइमिथाइल डायोकार्बोनेट का उपयोग फल वाले पेय पदार्थों, तैयार चाय पेय पदार्थों, आइसोटोनिक/ खेल पेय पदार्थों और सुवासित जल में 200 मि.ग्रा./लीटर अंतिम उत्पाद में अधिकतम मेथोनोल तत्व के अधीन रहते हुए, 250 मिली ग्राम/लीटर तक किया जा सकेगा। ”

[फा. सं. पी-15014/8/2008-पीएच (एफ)]

देबाशीष पण्डा, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, अधिसूचना संख्या का.नि.आ. 2106 तारीख 12 सितंबर, 1955 द्वारा प्रकाशित किया गया था और अंतिम संशोधन अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 431 (अ) तारीख 19.6.2009 द्वारा किया गया ।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health and Family Welfare)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th October, 2009

G.S.R. 761(E).— The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), is hereby published, as required by the said sub-section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules shall be taken into consideration after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of this Official Gazette in which this notification is published, are made available to the public;

Objection or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, Nirman Bhawan, New Delhi – 110011;

The objection and suggestions, which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (7th Amendment) Rules, 2009.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), in Rule 42,-

(a) after sub-rule (ZZZ)(12), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(ZZZ)(12A) – Every package of food which is permitted to contain a mixture of Acesulfame Potassium and Sucralose sweeteners mentioned in the Table given in rule 47, shall carry the following label, namely:-

- | |
|--|
| (i) This.....(Name of Food) contains a mixture of Sucralose and Acesulfame Potassium; |
| (ii) Not recommended for children; |
| (iii) *(a) Quantity of sugar added.....gm/100 gm;
*(b) No sugar added in the product;
(*Strike out whichever is not applicable).”; |

(b) after sub-rule (ZZZ)(25), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(ZZZ)(26) Every package of food containing polyols shall bear the following label.

Polyols may have laxative effect.”.

3. In the said rules,-

(a) in rule 47,-

(i) in sub-rule(1), in the third proviso, for the words “six mg. per hundred mg. of tablet or granule”, the following words shall be substituted, namely:-

“six mg. per tablet or hundred mg. of granule.”;

(ii) in sub-rule (2), after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided further that in carbonated water, the combination of Sucralose and Acesulfame Potassium may be used in ratio not to exceed proportionate levels of the permissible levels allowed for these individual artificial sweeteners in carbonated water under label declaration as provided in sub-rule (ZZZ) (12A) of rule 42.”;

3760 GI/09-2

(b) after rule 47, the following rule shall be inserted, namely:-

"47-A. Restriction on use of polyols in foods. – No polyols shall be added to any article of food except specified in these rules and Appendix 'C' Polyols (maltitol / maltitol syrup) may be used in food articles mentioned in the Table given below and shall bear the label declaration as provided in sub-rule (ZZZ) (26) of rule 42,-

TABLE

Name of Polyols (1)	Article of Food (2)	Maximum Limit (3)
Maltitol / Maltitol syrup	Bakery products, ice-cream, frozen desserts, jam, jellies and marmalades	GMP."

(4) in the said rules, in rule 61-AA,-

(i) the words "baked foods" and "snacks" shall be omitted;

(ii) the following proviso shall be inserted at the end, namely:-

"Provided that modified food starches (derivative starches) may be used in snacks, frozen potato products, baked foods and salad dressing / mayonnaise upto a maximum concentration of 5 percent by weight."

(5) in the said rules, rule 61-F, the following rule shall be substituted, namely:-

"61-F. Use of Hydroxypropyl Methyl Cellulose in various foods. – Hydroxypropyl Methyl Cellulose may be used in the following food products not exceeding in maximum level mentioned in column 3 of the Table given below:-

TABLE

S.No. (1)	Article of Food (2)	Maximum Level (3)
(i)	Non-dairy whip topping	2.0 percent
(ii)	Snacks, savories, luncheonmeat and poultry products, instant mixes (idli mix, dosa mix, puliyogare mix, pongle mix, gulab jamun mix, jalebi mix, vada mix), salad dressing / mayonnaise, mixes for gravies, ice-cream, frozen desserts, puddings and custards	1.0 percent
(iii)	Mixes for dairy based drinks	0.5 percent."

(6) in the said rules, after rule 64-A, the following rule shall be inserted, namely:-

"64-AA. Use of anticaking agent in flavours.- Synthetic Amorphous Silicon Dioxide may be used in powder flavouring substances upto 2 percent maximum."

(7) in the said rules, after rule 72-D, the following rule shall be inserted, namely:-

"72-E. Use of Dimethyl Dicarbonate. – Dimethyl Dicarbonate may be used in fruit drinks, ready to drink tea beverages, isotonic/sports drinks and flavoured water upto 250 mg. / litre subject to maximum methanol content in final product as 200 mg./litre."

[F. No. P-15014/8/2008-PH(F)]

DEBASISH PANDA, Jt. Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India vide notification number S.R.O. 2106, dated the 12th September, 1955 and were lastly amended vide notification number G.S.R. 431(E) dated the 19.06.2009.